भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 661

जिसका उत्तर 22 जुलाई, 2021 को दिया जाना है।

.....

उत्तर प्रदेश में जल संसाधन परियोजनाएं

661. श्री हाजी फजलुर रहमान:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में वर्तमान में शुरू की गई जल संसाधन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) उत्तर प्रदेश को जल संसाधन परियोजनाओं के लिए जिला-वार कितनी निधि आबंटित की गई है;

(ग) उत्तर प्रदेश में जल संसाधन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) क्या उक्त कार्य की गति बहुत धीमी है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति और जनजातीय कार्य राज्य मंत्री (श्री विश्वेश्वर टुडु)

(क) से (घ) जल संसाधन परियोजनाओं की योजना, वित्त पोषण, निष्पादन और रखरखाव राज्य सरकारों द्वारा स्वयं अपने संसाधनों और प्राथमिकताओं के अनुसार किया जाता है। भारत सरकार की भूमिका, केवल तकनीकी सहायता प्रदान करने और कुछ मामलों में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा लागू की जा रही मौजूदा योजनाओं के संदर्भ में आंशिक वित्तीय सहायता करते हुए प्रोत्साहन देने तक सीमित है।

वर्ष 2015-16 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा देश के सभी कृषि फार्म्स के लिए सुरक्षात्मक सिंचाई के कतिपय संसाधन मुहैया कराने और 'प्रति बूंद अधिक फसल' का उत्पादन करते हुए वांछनीय ग्रामीण समृद्धि को साकार करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) की शुरुआत गई थी। पीएमकेएसवाई में निम्नलिखित घटक हैं: त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी), हर खेत को पानी (एचकेकेपी) - कमान क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन (सीएडीडब्ल्यूएम), सतही लघु सिंचाई (एसएमआई)/जल निकायों की मरम्मत, नवीनीकरण और पुनरुद्धार (आरआरआर) और इस विभाग में भूजल सिंचाई।

पीएमकेएसवाई की इन 99 प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में से प्रमुख/मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के तहत चार परियोजनाएं बाणसागर नहर, अर्जुन सहायक, मध्य गंगा नहर चरण-II और सरयू नाहर परियोजना (राष्ट्रीय परियोजनाएं) उत्तर प्रदेश की हैं। बाणसागर नहर परियोजना का एआइबीपी कार्य पूर्ण होने की सूचना है, जबकि अन्य तीन परियोजनाएं पूर्ण होने के अंतिम चरण में हैं। वर्ष 2016-17 से 2020-21 के दौरान उत्तर प्रदेश की इन परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सहायता और राज्य का हिस्सा के रूप में क्रमशः 1397.91 करोड़ रुपये और 5553.06 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं तथा उत्तर प्रदेश में इन परियोजनाओं से 7.23 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित होने की सूचना प्राप्त हुई है।

पीएमकेएसवाई की इन 99 प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में से, इस समय उत्तर प्रदेश की 2 परियोजनाओं सरयू नहर और अर्जुन सहायक को सीएडीडब्ल्यूएम कार्यक्रम के तहत शामिल किया गया है। सरयू नहर परियोजना से बहराइ , बस्ती, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थ नगर और संत कबीर नगर जिलों को लाभ प्राप्त होता है जबकि अर्जुन सहायक से महोबा और हमीरपुर जिलों को लाभ प्राप्त होता है। इन परियोजनाओं को कुल 156.00 करोड़ रुपये (वर्ष 2019-20 के दौरान सरयू नहर को 150.00 करोड़ रुपये और वर्ष 2020-21 के दौरान अर्जुन सहायक को 6.00 करोड़ रुपये) की केंद्रीय सहायता जारी की गई है।

वर्ष 2014-15 से 2015-16 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य 20 जल निकायों के दो समूहों को पीएमकेएसवाई (एचकेकेपी) की डब्ल्यूबी योजना के आरआरआर के तहत 49.5 करोड़ रुपए की कुल अनुमानित लागत एवं 3447 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता के लक्ष्य के साथ शामिल किया गया है। अब तक, राज्य को 16.41 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की जा चुकी है और 2354 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता की उपलब्धि के साथ 8 योजनाओं के पूर्ण होने की सूचना प्राप्त हुई है। इन योजनाओं से अब तक लाभान्वित होने वाले जिले बांदा, झांसी, ललितपुर, महोबा हैं।

अब तक, पीएमकेएसवाई-एचकेकेपी-जीडब्ल्यू योजना के तहत, उत्तर प्रदेश सहित 12 राज्यों में 15 परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं, जिनकी अनुमानित लागत 1719.44 करोड़ रुपये है। जून 2021 की स्थिति तक, 14347 सिंचाई योजनाओं के लक्ष्य के समक्ष 12016 योजनाएँ पूरी कर ली गई हैं और शेष का कार्य प्रगति पर हैं। उत्तर प्रदेश में 27.82 करोड़ रुपये की कुल केंद्रीय सहायता में से दिनांक 30.03.2020 को 16.69 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की जा चुकी हैं।

बाढ़ प्रबंधन एवं सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) योजना के तहत राज्य सरकारों को संकट ग्रस्त क्षेत्रों में और क्षतिग्रस्त बाढ़ नियंत्रण / प्रबंधन कार्यों की बहाली हेतु नदी प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण, कटाव रोधी, जल निकासी विकास, समुद्र कटाव रोधी, बाढ़ प्रूफिंग आदि से संबंधित

महत्वपूर्ण कार्यों को करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना में XI/XII योजना के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार केवल मौजूदा और पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं के प्रतिबद्ध उत्तरदायित्वों को पूरा करने का प्रावधान था और तब तक एफएमबीएपी योजना एफएम घटक के तहत कोई नई परियोजना शामिल नहीं की गई थी। वर्ष 2016-17 से मार्च, 2021 की अवधि के लिए एफएमबीएपी के एफएमपी और आरएमबीए घटकों के तहत उत्तर प्रदेश राज्य को जारी केंद्रीय सहायता का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

केंद्र सरकार उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में भूजल प्रबंधन और विनियमन (जीडब्ल्यूएम एवं आर) की केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत चल रहे राष्ट्रीय जलभृत मैपिंग और प्रबंधन (एनएक्यूयूआईएम) कार्यक्रम को लागू कर रही है। उत्तर प्रदेश में 1.67 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए जलभृत मैपिंग और प्रबंधन योजनाएँ तैयार की गई हैं। इस योजना के तहत वर्ष 2021-22 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में केंद्रीय भूमिजल बोर्ड के कार्यालयों को भूजल निगरानी, अन्वेषण ड्रिलिंग, एनएक्यूयूआइएम, जल की गुणवत्ता की मानीटरिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए 11.08 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।

विश्व बैंक की सहायता से राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (एनएचपी) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहित भारत के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में समयबद्ध और विश्वसनीय जल संसाधन आकड़ा अधिग्रहण, भंडारण, संयोजन और प्रबंधन के लिए भूजल विभाग, उत्तर प्रदेश एवं सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के माध्यम से एक प्रणाली स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। दोनों विभागों को वर्ष 2016 से मार्च, 2024 तक 8 वर्षों की अवधि के लिए कुल 184.15 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। अब तक राज्य को कुल 21.62 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। राज्य सरकार के विभाग को उनकी परियोजना मानीटरिंग इकाई के तहत कार्यों के निष्पादन के लिए सीधे धनराशि जारी की जाती है।

यह भी उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने केंद्रीय घटक के साथ एक राज्य क्षेत्र की योजना "बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी) चरण-II और III" को मंजूरी दी है। डीआरआईपी चरण-II और III में 39 बांधों के पुनर्वास के लिए 787 करोड़ रुपये का अनुमान प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तावित वित्तीय निहितार्थ के साथ पुनर्वास किए जाने वाले बांधों के नामों की सूची **अनुलग्नक-II** में है।

उपरोक्त उल्लिखित विभिन्न परियोजनाओं के पूरा होने की समय-सीमा अलग-अलग है और इन समय-सीमाओं की समय-समय पर मॉनीटरिंग की जा रही है।

***

अनुलग्नक-I

"उत्तर प्रदेश में जल संसाधन परियोजनाएं" के संबंध में लोक सभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 661, जिसका उत्तर 22 जुलाई, 2021 को दिया जाना है, के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

2016-17 से मार्च, 2021 की अवधि के लिए एफएमबीएपी के एफएमपी और आरएमबीए घटकों के तहत उत्तर प्रदेश राज्य को जारी केंद्रीय सहायता का विवरण

(करोड़ रूपए में)

एफ़एमबीएपी का घटक	**परियोजना का नाम**	**जिला**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**कुल**	**स्थिति**
एफ़एमपी घटक	यूपी-22 गांव शेरपुर से थेट, जे.पी.नगर और बिजनौर जिलों तक गंगा नदी के बाएं तट साथ-साथ तटबंध निर्माण के f परियोजना.	बिजनौर	-	4.13	-	-	-	4.13	जारी
	यूपी-27 बाराबंकी जिलों में घाघरा नदी के बांए तट के साथ-साथ एल्गिन ब्रिज के प्रतिप्रवाह सीमांत तटबंध का निर्माण।	बाराबंकी	13.55	11.45	24.13	-	-	49.13	लगभग पूर्ण
	यूपी-28 बस्ती जिले में घाघरा नदी के बांए तट के साथ-साथ बाढ़ सुरक्षा कार्य।	बस्ती	-	-	11.54	-	-	11.54	लगभग पूर्ण
	यूपी-29 बागपत और गाजियाबाद जिलों में यमुना नदी के बांए तट के साथ-साथ बाढ़ सुरक्षा कार्य	बागपत एवं गाजियाबाद	-	-	3.48	-	-	3.48	पूर्ण
आरएमबीए घटक	गंडक नदी पर आरएमबीए	उत्तर प्रदेश में नेपाल का सीमा क्षेत्र	90.43	72.29	-	-	-	162.72	पूर्ण
	कुल		**103.98**	**87.87**	**39.15**	**-**	**-**	**231.00**	

अनुलग्नक-II

"उत्तर प्रदेश में जल संसाधन परियोजनाए" के संबंध में लोक सभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 661, जिसका उत्तर 22 जुलाई, 2021 को दिया जाना है, के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

डीआरआईपी चरण II और III के तहत शामिल किए जाने वाले उत्तर प्रदेश के प्रस्तावित बांधों की सूची

क्रम संख्या	**बांध**	**अनुमानित लागत (रुपए करोड़ में)**
1	अदवा बांध	21.24
2	अहरौरा बांध	15.45
3	बघेलखंड बांध	5.48
4	बेगुल बांध	22.08
5	बरबटा बांध	21.24
6	भगवानपुर बांध	12.90
7	चौ. चरण सिंह सिजर बांध	6.31
8	चित्तौड़गढ़ बांध	42.26
9	दीनदयाल उपाध्याय पथराई बांध	9.31
10	धंधरौल बांध	21.49
11	ढेकवा बांध	8.19
12	धौरा बांध	6.72
13	डोंगिया बांध	5.85
14	गोविंद सागर बांध	7.04
15	गुंटा बांध	3.24
16	जमातुआ बांध	15.24
17	जामिनी बांध	21.84
18	जिर्गो बांध	15.83
19	करगरा बूंदी	1.00
20	कोहरगद्दी बांध	6.12
21	लोअर खजूरी पिकअप वीयर	4.38
22	मझगवां बांध	5.82
23	माताटीला बांध	633.33

24	मौधा बांध	151.60
25	मुर्तिया बंधी	1.97
26	नगवा बांध	3.40
27	पहाड़ी बांध	29.40
28	पहुज बांध	9.49
29	पिली बांध	23.42
30	राजघाट बांध	15.77
31	राम गंगा बांध	26.70
32	राम गंगा काठी बांध	9.59
33	रेक्सहावा बूंदी	11.11
34	शहजाद बांध	17.05
35	शारदा सागर बांध	27.31
36	सिलहट पिकअप वीर	4.99
37	सिरसी बांध	14.59
38	सुखारा बांध	4.84
39	अपर खजूरी बांध	3.40
	कुल	**1410.81**

***